पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali
उत्तराखण्ड विधान मण्डल द्वारा पारित पतंजलि विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 4, वर्ष 2006 के अन्तर्गत स्थापित
Established by Uttarakhand State Legislature Under the University of Patanjali Act No. 4, Year 2006

पत्रांक (Ref.) : ..... दिनांक (Date) : 15.02.2025

प्रेस-विज्ञप्ति

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम 'अभ्युदय' की तैयारियों को लेकर पतंजलि विश्वविद्यालय में बैठक

- **कार्यों के परिणाम उनके भाव के अनुसार परिलक्षित होते हैं : साध्वी देवप्रिया**
- **यह वार्षिकोत्सव केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, अपितु विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण मंच है : साध्वी देवप्रिया**
- **विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर किया गया टीमों का गठन**

हरिद्वार, 15 फरवरी : पतंजलि विश्वविद्यालय का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम 'अभ्युदय' आगामी 28 फरवरी से 02 मार्च तक संचालित होने जा रहा है जिसकी व्यापक तैयारियों को लेकर पतंजलि विश्वविद्यालय के सभागार में एक बैठक आहुत की गई। बैठक में महोत्सव की रूपरेखा, कार्य योजना, मंच, साउण्ड, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, साज-सज्जा, सफाई, मीडिया प्रबंधन, बैठक, आकस्मिक सेवाओं, पुरस्कार वितरण, भोजन, जल, सुरक्षा आदि विभिन्न व्यवस्थाओं पर गहन चर्चा की गई तथा प्रत्येक व्यवस्था हेतु प्रभारी व सहायक नियुक्त किए गए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलानुशासिका एवं मानविकी व प्राच्य विद्या संकाय की अध्यक्षा तथा अभ्युदय की संयोजितका प्रो. (डॉ.) साध्वी देवप्रिया ने कहा कि उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय शैक्षणिक स्तर पर निरंतर प्रगति के सौपान चढ़ रहा है। हाल ही में पतंजलि विश्वविद्यालय को नैक द्वारा 'ए+ ग्रेड' प्रदान की गई है। इस वर्ष विश्वविद्यालय प्रबंधन 'अभ्युदय' कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर आयोजित करने हेतु संकल्पित है जिसमें देश के शैक्षणिक स्तर के विख्यात प्रतिभाशाली गणमान्य उपस्थित रहेंगे। यह वार्षिकोत्सव केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, अपितु विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने बताया कि वार्षिकोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद और शैक्षणिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। यह आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक कौशल और रचनात्मकता को निखारने का अवसर प्रदान करेगा।

साध्वी जी ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु हमें अपनी-अपनी सामर्थ्य के अनुसार पूर्ण मनोयोग से एक टीम की तरह कार्य करना होगा। सभी कार्य अपने भाव से महत्वपूर्ण होते हैं तथा उनके परिणाम भी भाव के अनुसार ही परिलक्षित होते हैं।

बैठक में कुलसचिव आलोक कुमार सिंह, पतंजलि योग समिति के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव, कुलानुशासक स्वामी आर्षदेव, विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, शिक्षकगण, विद्यार्थिगण व संन्यासीगण उपस्थित रहे।